æâ£ p ±p ∑ ûaãÐ, § ĝ çæ÷ –, ∏þ≥∏

Ñª Ï

{ÏÖ∏þ †þ∞ç ûaãÐ ŵ¡ ŵÏ p ∑, ∏þ≥∏

ûaãÐ ∂ úæ∂ æâ p ø æ€pÑI

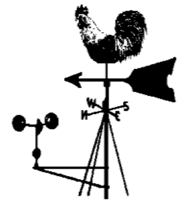

http://www.igau.edu.in
http://www.igau.nic.in

(Project sponsored by IMD,MoES,New Delhi) 0771-2442557

Patron:Dr. S.K. Patil, Vice Chancellor *Director of Research Services: Dr. J.S. Urkurkar* *Prof. & Head(Agromet): Dr. G.K. Das*
Nodal Officer: Shri J.L. Chaudhary *Research Associate: Sanjay Bhelawe*

Advisory Committee: **Agrometeorology**- Dr.Harsh Vardhan Puranik, **Entomology**-Dr. Sanjay Sharma, Dr.V.K.Dubey **Horticulture**-Dr. H.G. Sharma; Dr.G.D.Sahu **Plant Pathology**- Dr. N.Lakpale, Dr. H.K. Singh, **Veg. Science**-Dr. G.L.Sharma, Dr,Gaurav sharma **Agronomy** - Dr. H.L. Sonboir, Dr. D. Chandrakar **Animal Science** - Dr.(smt.) N. Kerketta, **FMP** – Er.R.K.Naik ,**SWE**-Er.Dhiraj Khalkho

वर्ष: 26, क्रमांक: 55 **दिनांक11.07.2017**

मौसमपूर्वानुमान(कवर्धा जिले के लिए)

	12-जुलाई	13-जुलाई	14-जुलाई	15-जुलाई	16-जुलाई
वर्षा) मी.मी(.	8	8	13	35	13
अधिकतमतापमान(°C)	27	28	29	29	29
न्यूनतमतापमान(°C)	24	24	24	25	25
मेघआच्छादन(octa)	8	8	8	8	7
अधिकतमआर्द्रता(%)	95	95	95	92	95
न्यूनतमआर्द्रता(%)	60	60	60	65	65
वायुगति(कि.मी .प्रतिघंटा(	6	5	5	6	7
वायुकीदिशा	W	SW	SW	SW	SW

मौसम आधारित कृषि सलाह

सामान्य

1. प्रदेश के अधिकांश स्थानों में हो रही वर्षा को देखते हुए किसान भाईयों को सलाह है कि खेतों की जुताई कर खरीफ फसलों (धान, अरहर, तिल, मक्का आदि) के बीजों को उपचारित कर कतारों में बुवाई करें। कतार बोनी में सीड ड्रिल एवं दानेदार उर्वरक का उपयोग करें।
2. सोयाबीन एवं अरहर हेतु जल निकास की व्यवस्था कर बुवाई करें। सोयाबीन एवं अन्य दलहनी फसलों का कल्चर से उपचार कर बुवाई करें, इसके लिए राइजोबियम कल्चर 5 ग्राम एवं पी.एस.बी. 10 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज के दर से उपयोग करे ।
3. हल्की जमीनों में 100-115 दिन में पकने वाली किस्में दंतेश्वरी, पूर्णिमा. इंदिरा, बारानी धान-1, अन्नदा, समलेश्वरी, MTU-1010, आई आर 36 लगाये। यदि प्रमाणित बीज उपलब्ध न हो तो किसान इन किस्मों का स्वयं का बीज 17 प्रतिशत नमक के घोल एवं बाविस्टीन से उपचार करके बोनी करें।
4. कतार बोनी धान में बोआई के 3 दिन के अंदर अंकुरण पूर्व प्रस्तावित निंदानाशक पेंडीमेथेलिन 1.25 लीटर प्रति हेक्टर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें।
5. सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व क्यूजोलाफाप-पी-एथिल, इमेजाथाइपर या पेन्डीमेथिलिन या मैट्रीबुजिन का छिड़काव अनुशंसित मात्रा में करें।
6. उकठा ग्रसित क्षेत्रों में अरहर के साथ ज्वार की मिलवा खेती करने से अरहर में उकठा (विल्ट) रोग कम लगता हैं।

फल एवं सब्जी

1. वर्षाकालीन सब्जियों हेतु पौध तैयार करें। कद्दूवर्गीय, लौकी, करेला इत्यादि बेल वाली फसलों को बाड़ी में लगायें।

2. टमाटर, बैगन, मिर्च, भिन्डी एवं अन्य सब्जी वाली फसल में निंदाई गुडाई करे।
3. नए फल वृक्षों को लगाने का कार्य आरंभ करें।

<u>पशुपालन</u>

1. इस बारिश के मौसम में अपने मवेशियों को कृमिनाशक दवा जैसे अल्बेन्डाजोल फेनबेन्डाजोल आदि अवश्य खिलाये। वयस्क पशुओं को 3.0 ग्राम का एक बोलस तथा छोटे पशुओं को 1.5 ग्राम का एक बोलस सुबह खाली पेट में खिलाये।
2. छोटे चूजों को 1 दिन से 5-6 सप्ताह की उम्र तक ठंड से बचाव हेतु व्यवस्था करें।
3. मवेशिओं को वर्षा के पानी में भीगने न दें। फूट रोट से बचाव हेतु पशु बाड़े के फर्श को यथासंभव सूखा रखें।
4. यदि पतला दस्त हो तो पहले कृमिनाशक दवा खिलायें। फिर एन.टी.जोल एवं रूमेन एफ.एस. बोलस 2-2 बोलस सुबह शाम दो दिनों तक खिलायें।